



प्रति,

जिला शिक्षा अधिकारी
समस्त जिले, छत्तीसगढ़।

विषय: जिला एवं विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों को अपने नवाचारों के प्रस्तुतीकरण हेतु योजना -
National Scheme of Innovations in Educational Administration and
Management (NSIEA)

संदर्भ: इस योजना में नामांकन हेतु न्यूपा से प्राप्त प्रस्ताव एवं वेबसाइट <http://www.cips.org.in> /
www.nuepa.org में उपलब्ध जानकारी -

उपरोक्त विषयांतर्गत इस वर्ष Centre for Innovations in Public Systems (CIPS),
Hyderabad द्वारा न्यूपा, नई दिल्ली के साथ मिलकर शैक्षिक प्रशासन में नवाचार की राष्ट्रीय
योजना हेतु जिलों से प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं जिसका विवरण संदर्भ में उल्लिखित वेबसाइट में
उपलब्ध है। इस संबंध में अन्य आवश्यक जानकारी इस प्रकार है:

1. इस योजना में शामिल होने हेतु आप अपने जिले से जिला शिक्षा अधिकारी एवं विकासखंड शिक्षा
अधिकारी के रूप में किए गए कार्यों के आधार पर प्रस्ताव तैयार कर भेज सकते हैं।
2. प्रस्ताव तैयार करने हेतु निम्नलिखित में से किन्हीं क्षेत्रों में कार्य का उल्लेख करना बेहतर होगा:
शिक्षा के अधिकार का प्रभावी क्रियान्वयन / शाला पहुँच, विद्यार्थी-शिक्षक अनुपात एवं गुणवत्ता परक
शिक्षा के विकास के लिए किए गए विभिन्न नवाचारी प्रयास / शिक्षक प्रबंधन / अकादमिक समर्थन
की प्रक्रिया/ शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में नवाचारी प्रयास/ सामुदायिक सहभागिता में सुधार/
संस्थागत नियोजन/ सुपरविज़न एवं मॉनिटरिंग सिस्टम/ मध्याह्न भोजन एवं अन्य प्रोत्साहन
योजनाओं का प्रबंधन एवं वितरण/ समता को बढ़ावा एवं विविधता को प्रबंधन/ शैक्षिक प्रशासन में
पारदर्शिता एवं जवाबदेही आदि। उपरोक्त सभी क्षेत्रों में योजनाओं के क्रियान्वयन में जिला एवं
विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

3. इस कार्यक्रम में चयन के लिए प्राप्त नवाचारों की पहचान एवं मूल्यांकन किया जाएगा और चयनित
प्रस्तावों को पुरस्कार के माध्यम से मान्यता दी जाएगी और उसके व्यापक प्रचार प्रसार के लिए
दस्तावेजीकरण किया जाएगा। जिला एवं विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी अपने अपने क्षेत्र में किए गए

विभिन्न कार्यों में से उपरोक्त क्षेत्रों के आधार पर किन्हीं चुनिंदा क्षेत्र में किए गए कार्य का विवरण निर्धारित प्रारूप (innovation framework-NSIEA) में भरते हुए दिनांक 28 जनवरी, 2014 तक ईमेल एवं डाक से परिषद के पते पर भेजना होगा। प्रारूप आदि की जानकारी संदर्भित वेबसाइट में उपलब्ध है।

4. उपरोक्त योजना के तहत राष्ट्रीय सम्मेलन एवं पुरस्कार वितरण मार्च 2014 को हैदराबाद में किया जाएगा। निर्धारित तिथि तक प्राप्त आवेदनों को समिति द्वारा परीक्षण कर राज्य स्तर से उक्त कार्यक्रम हेतु आवश्यक कार्यवाही हेतु भेजा जाएगा। राज्य से भेजे गए प्रस्तावों पर आवश्यक कार्यवाही संपन्न करते हुए माह मार्च में प्रस्तुतीकरण के लिए भेजा जाना होगा। तयनित प्रस्तावों का क्षेत्र में परीक्षण एवं मूल्यांकन न्यूपा एवं सिप्स के विशेषज्ञों एवं बाह्य संस्थाओं के सहयोग से किया जाएगा और उपयुक्त पाए जाने पर राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार के लिए नामांकित किया जा सकेगा।

कृपया आप अपने जिले से जिला शिक्षा अधिकारी के रूप में किया गया नवाचार एवं जिले के कुछ विकासखण्डों में विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा किए गए कार्यों को लगभग 300 शब्दों वर्णन करते हुए निर्धारित प्रारूप में भरते हुए फोटोग्राफ एवं वीडियो क्लिपिंग आदि के साथ भेज सकते हैं।

5. दिनांक 28 जनवरी, 2014 तक प्रस्ताव परिषद के ईमेल scerteg@gmail.com में भेजा जाए ताकि समिति से परीक्षण करवाते हुए उपयुक्त प्रस्तावों को प्रतियोगिता के लिए भेजा जा सके। राज्य स्तर से चयन कर भेजे गए प्रस्तावों की सूचना संबंधित को दी जाएगी ताकि वे अपने योजना की बाह्य संस्थाओं से मूल्यांकन के लिए आवश्यक तैयारी कर सके।


(अनिल राय)
संचालक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
रायपुर, छग।

पत्र क्र. SCERT/NSIEA/2014
प्रतिलिपि,

231

रायपुर, दिनांक 27/01/2014

1. सचिव, छग शासन स्कूल शिक्षा विभाग, महानदी भवन, नया रायपुर को सादर सूचनार्थ प्रस्तुत।
2. आयुक्त, लोक शिक्षण, लोक शिक्षण संचालनालय, रायपुर को जिला एवं विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों को योजना से अवगत कराते हुए अधिकतम प्रस्तावों को भेजे जाने की व्यवस्था बाबत।
3. प्रबंध संचालक, राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान, रायपुर को जिला एवं विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों को योजना से अवगत कराते हुए अधिकतम प्रस्तावों को भेजे जाने की व्यवस्था बाबत।
4. मिशन संचालक, सर्व शिक्षा अभियान, रायपुर को जिला एवं विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों को योजना से अवगत कराते हुए अधिकतम प्रस्तावों को भेजे जाने की व्यवस्था बाबत।
5. सगरत प्राचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, छतीसगढ़ को अपने क्षेत्र में उत्त्लेखनीय कार्य कर रहे शिक्षा अधिकारियों को उक्त योजना में समयसीमा के भीतर नामांकन एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन में आवश्यक सहयोग बाबत।


संचालक

नवाचार के बारे में जानकारी भेजने के लिए

प्रारंभिक प्रपत्र

नवाचार के लिए नामित व्यक्ति का विवरण:

1. ब्लाक शिक्षा अधिकारी / जिला शिक्षा अधिकारी का नाम:
2. आयु:
3. वर्तमान पद पर काम करने की अवधि (वर्ष में):
4. संपर्क हेतु जानकारी :

डाक पता :

फोन नंबर :

फैक्स नंबर :

ई - मेल :

नवाचार के बारे में विवरण :

5. नवाचार का क्षेत्र :
6. कार्य व्यवहार में नवाचार की अवधि :
7. परिणामों और ठहराव सहित नवाचार की मुख्य विशेषताओं के साथ नवाचार के बारे में विवरण (लगभग 300 शब्दों में)

राज्य द्वारा नामांकन हेतु नवाचार व्यवहार से संबंधित विवरण प्रपत्र (जिला शिक्षा अधिकारी/ ब्लाक शिक्षा अधिकारी द्वारा भरा जाये), <http://www.cips.org.in> या www.nuepa.org से डाउनलोड किया जा सकता है और दिए गए ईमेल पते पर भेजा जा सकता है।

महत्वपूर्ण तिथियाँ

निर्धारित प्रपत्र में राज्य सरकार/संघ क्षेत्र द्वारा अनुमोदित नामांकन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि: 31 जनवरी 2014

राष्ट्रीय सम्मेलन और पुरस्कार वितरण: मार्च 2014

नामांकन निम्नलिखित पते पर भेजें :

निदेशक

सेंटर फॉर इन्नोवेशन्स इन पब्लिक सिस्टम (CIPS)

भारतीय प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज पार्क कैम्पस

रोड नंबर 3, बंजारा हिल्स, हैदराबाद - 500 034, भारत

फोन: +91 40 66720720 +91 40 66720720

नामांकन निम्नलिखित ई-मेल पर भी भेजा जा सकता है :

director-cips@nic.in

parkavi@cips.org.in

innovationscheme@nuepa.org

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा)

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा) ,राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र में प्रशिक्षण, अनुसंधान, और परामर्श सेवाओं हेतु कार्यरत एक प्रमुख संस्थान है। अपनी विविध गतिविधियों के अलावा, विश्वविद्यालय एक व्यापक अंतरशास्त्रीय सामाजविज्ञान के परिप्रेक्ष्य में शिक्षा नीति, नियोजन, वित्त और प्रशासन में एम. फिल , पी-एच.डी., और पोस्ट डॉक्टरेट कार्यक्रम आयोजित करता है। न्यूपा, शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा भी प्रदान करता है।

सेंटर फॉर इन्नोवेशन्स इन पब्लिक सिस्टम

(सी.आई.पी.एस)

भारत सरकार ने एक स्वायत्त निकाय के रूप में 2010 में सेंटर फॉर इन्नोवेशन्स इन पब्लिक सिस्टम की स्थापना की थी। सी.आई.पी.एस के कार्य क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, ई-अभिशासन और शहरी अभिशासन सम्मिलित हैं। कार्यव्यवहार में स्थाई रूप से रचनात्मक विचारों के रूपांतरण हेतु एक अभिनव संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सी.आई.पी.एस राज्य सरकारों, संघ शासित प्रदेशों, प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थानों, भारत सरकार के संगठनों और गैर लाभकारी संगठनों के साथ मजबूत अनुबंधन स्थापित करता है। सी.आई.पी.एस के पास देश भर में ही रही अभिनव कार्यव्यवहारों का प्रलेखन, प्रसार और प्रतिकृति तैयार करने का अधिदेश है।

शैक्षिक प्रशासन में

नवाचार

की राष्ट्रीय योजना

नामांकन के लिए आमंत्रण



राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा)

17-बी, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली -110016

वेबसाइट: [http // www.nuepa.org](http://www.nuepa.org)



सेंटर फॉर इन्नोवेशन्स इन पब्लिक सिस्टम (सी.आई.पी.एस)

रोड नं .3, बंजारा हिल्स, हैदराबाद -500 034

शैक्षिक प्रशासन में

नवाचार की राष्ट्रीय योजना

नवाचार का प्रसंग

क्षेत्र स्तर पर शैक्षिक नीति का प्रभावी कार्यान्वयन एवं शैक्षिक विकास के कार्यक्रमों और योजनाओं के कुशल प्रबंधन में शैक्षणिक प्रशासकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस दृष्टिकोण से हम राज्यों, क्षेत्रों, जिलों और ब्लॉकों में नीतियों, कार्यक्रमों और योजनाओं के कार्यान्वयन और उनके परिणामों में विभिन्नता पाते हैं। जिला और ब्लॉक स्तर के प्रशासकों में से कुछ प्रशासक दूसरों की तुलना में अधिक सफल रहते हैं। उनकी सफलता के कारणों में उनकी विशिष्ट पहल भी जुड़ी होती है। नियमों, निर्देशों और शैक्षिक प्रशासन के मानदंड की व्यापक रूपरेखा के भीतर, वे नए विचारों की मदद से नवाचारों का सर्जन करते हैं।

यद्यपि शैक्षिक प्रशासन के क्षेत्र में जमीनी स्तर पर कई नवाचार घटित होते हैं लेकिन व्यापक प्रसार के लिए उनको पहचानने और उनके प्रलेखन के लिए कोई तंत्र शायद ही उपलब्ध है। शैक्षिक प्रशासन में जमीनी स्तर पर नवाचारों की पहचान करने के लिए कोई व्यवस्थित प्रयास नहीं किया गया है। उनमें से ज्यादातर की अनदेखी की गयी है या वे थोड़े प्रभाव कारक के साथ स्थानीय ही बने रहते हैं। राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा) ने सेंटर फॉर इन्वीवेशन्स इन पब्लिक सिस्टम (सी.आई.पी.एस) के सहयोग से शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन में नवाचारों की राष्ट्रीय योजना के अंतर्गत शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन में क्षेत्र स्तर पर नवाचारों की पहचान हेतु एक प्रयास आरम्भ किया है।

योजना का मुख्य उद्देश्य

- क्षेत्र स्तर पर शैक्षिक प्रशासन में नवाचार करने वाले व्यक्तियों की पहचान करना;
- पुरस्कार की योजना के माध्यम से नवाचारों के लिए प्रशासकों को प्रोत्साहित करना, और
- राष्ट्रीय सम्मेलन के माध्यम से व्यापक प्रचार प्रसार के लिए नवाचारों का प्रलेखन।

लक्ष्य समूह

इस योजना के लक्ष्य समूह मुख्य रूप से जिला और ब्लॉक स्तरीय शिक्षा अधिकारी हैं।

नवाचार के क्षेत्र

शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन के क्षेत्र में नवाचारों के विभिन्न पहलू और आयाम हो सकते हैं। इनमें शिक्षा के अधिकार का प्रभावी क्रियान्वयन तथा इससे सम्बंधित प्रावधान जैसे पहुँच और गुणवत्ता, शिक्षक प्रबंधन, विद्यार्थी शिक्षक अनुपात का इष्टतम रखरखाव, शैक्षिक समर्थन तंत्र के प्रभावी प्रबंधन और शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में नवाचार को बढ़ावा, समुदाय भागीदारी को बढ़ावा, संस्थागत योजना, पर्यवेक्षण और निगरानी व्यवस्था, मिड डे मील और अन्य पोल्साहन योजनाओं का विस्तारण और प्रबंधन, समता को बढ़ावा तथा विविधता का प्रबंधन, शैक्षिक प्रशासन में पारदर्शिता तथा जवाबदेही इत्यादी सम्मिलित हैं। प्रत्येक मामले में शैक्षिक प्रक्रिया और शिक्षण-अधिगम में नवाचारों को बढ़ावा देने में जिला और ब्लॉक स्तर के अधिकारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।

नवाचारों के चयन की प्रक्रिया

नवाचारों की राष्ट्रीय योजना में तीन घटक हैं :

- नवाचार की पहचान और मूल्यांकन;
- पुरस्कार के माध्यम से नवाचार की मान्यता, और
- (iii) व्यापक प्रसार के लिए नवाचार का प्रलेखन।

(i) नवाचार की पहचान और मूल्यांकन : नवाचारों की पहचान राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर के शैक्षिक प्रशासन से प्राप्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों/जिला शिक्षा अधिकारियों के नामांकन के आधार पर की जाएगी। नामांकन, विवरणिका में प्रकाशित निर्धारित प्रपत्र के अनुसार भेजे जायें।

सभी चिह्नित नवाचारों के सत्यापन और मूल्यांकन का कार्य, न्यूपा तथा सी.आई.पी.एस के प्रतिनिधियों और बाहर के विशेषज्ञों द्वारा किया जायेगा।

(ii) राष्ट्रीय पुरस्कार के माध्यम से नवाचार की पहचान : प्रत्येक राज्य से आठ नामांकन (जिला स्तर पर नवाचारों के दो और ब्लॉक स्तर के छह) आमंत्रित हैं। सभी प्रत्याशियों को सी.आई.पी.एस, हैदराबाद में उनके संबंधित नवाचारों पर एक प्रस्तुति के लिए आमंत्रित किया जाएगा। एक विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर क्षेत्र स्तर के सर्वोत्तम शैक्षणिक प्रशासकों को (ब्लॉक स्तर से दो और जिला स्तर से एक) राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए चुना जाएगा और न्यूपा, नई दिल्ली में एक राष्ट्रीय सम्मेलन में उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा।

सभी आमंत्रित प्रतिभागियों के भोजन, आवास और यात्रा भत्ता से संबंधित खर्च नियमानुसार न्यूपा वहन करेगा।

(iii) व्यापक प्रसार के लिए नवाचार का प्रलेखन: मूल्यांकन और सत्यापन की प्रक्रिया के बाद, व्यापक प्रसार के लिए एक खंड में सभी योग्यता प्राप्त नवाचारों का प्रलेखन किया जायेगा।



NATIONAL SCHEME ON INNOVATIONS IN EDUCATIONAL ADMINISTRATION



APPLICATION FORM FOR INNOVATION AWARDS

1. PERSONAL DETAILS

Name:
Sex:
Age:
Designation:
Address for correspondence:
Email
Phone (off.)
Fax (off)
Mob:

Experience in the current position

Year from - to	No of years	Responsibilities held	Area covered			Any other information
			Block	District	State	

2. DETAILS OF THE INNOVATION

a) Area of Innovation: _____

(For example: RTE implementation, access and quality, teacher management, optimal maintenance of PTR, effective academic support management, innovations in teaching-learning process, community participation, institutional planning, supervision and monitoring, Mid day meal scheme, educational administration, management of education, and so on).

b) Title of the innovation:

c) Level at which innovation was carried out: School Clusterblock District

d) Objectives of Innovation:

e) The target group:

f) Coverage Area :

g) Duration of the innovation in practice:

h) Duration taken for implementation of the innovation (from genesis to implementing it in the field):

- Period: From ----- to -----
- Total time taken ----- years/ months/ days

i) Resource availability and utilization:

Resources Utilized	From Existing System	Additional resources generated – quantum and source

Financial		
Material		
Infrastructure		
Academic		
Human		

j) What is the reason for you to introduce this innovation?

(Please put a tick mark against the applicable)

- Felt need Personally
- To solve an issue faced in the system
- To improve the outcomes
- Inspired by an similar practice in neighbouring block/district/cluster



3. DESCRIPTION OF THE INNOVATION

Describe the steps or procedure employed for conceptualizing the innovation. Please also write in detail the procedure of implementing the innovation in your district. Please ensure that the write up is in the word limit of 2000-2500 giving all details including objectives, process and strategies adopted, resources, involvement of stakeholders, benefits/ target achievement, acceptance, expansion, impact made, issues and challenges faced etc.

(The write up can be supported by evidences such as Videos, paper clippings, reports in news papers, magazines, TV channels, photo graphs, awards, etc.)

**Title**

Chhoo lo aasman, Dandewada, Chhattisgarh

Location

Chhattisgarh

Background and Summary

The objective of this project is to cultivate interest among the children of Naxal affected, backward Districts of Chhattisgarh towards Professional and science based courses and to make them capable enough to face the career competitive exams of the outer world.

Name of the implementing / partnering agencies

District Administration, Dantewada

Objective

Main thrust of the project is to impart students in Dandewada them qualitative education and career guidance and to create a better future for those students so as to show them as example in this region and to create a demonstrative effect for others so as to spread the message that education provides better future for the children.

Process/ Methodology

Willing Children who are studying in Class 11th & 12th are picked up from the entire District and enrolled for this novel way of studying. These Children are kept in residential schools specially brought up at the District Head Quarters and are provided free education, free residence, free study material and nutrition rich diet along with special coaching facilities through reputed Institutes such as Kota Rajasthan. Two separate campuses have been developed for boys and girls with all the necessary facilities. Children studying in these residential schools are thus provided two types of education one is the regular academic Schooling and the other is Professional Coaching Classes in extended hours by expert teachers of the calibre of Vision Kota Institute Rajasthan. Good Science Teachers have been earmarked from different Government schools and have been specially deployed regular classes in these campuses. Children of these campuses are provided with all such facilities which are necessary for the educational, physical as well as intellectual development. Apart from preparing the children for competitive examinations they are also being taught yoga, meditation and fine arts in these residential schools. Apart from Pre Engineering and Pre Medical Examinations children of these campuses are also encouraged to enrol themselves in other professional courses such as Nursing, Pharmacy etc.

Beneficiaries

- All the willing Children of Class 11th & 12th Standard the District who are ready to take Science based stream in 11th & 12th Standards.
- Interior girl students of the district studying in Class 9th & 10th standards.

Situation Before Implementation

Dantewada is one among the lowest literate District of India. Quality of education is very poor in this area. As a result of which children of this region somehow complete their education up to 8th to 10th standards but they do not learn even to read and write properly. Because of this they fail to prepare themselves for any competitive exams for attaining a handsome job or career for a better future.

Cost Reduction

Nil

Corruption Reduction

Nil

Service Improvement

By creating Doctors/Engineers and Good Science Teachers in this region the problem of lack of Poor Science Education and Non Availability of Science Teachers qualitative man power can be addressed. Even if the children do not manage to get selected themselves in qualitative institutes like IIT, AIIMS etc. they can at least improve their percentage of marks in class 12th and can become eligible for selection in Polytechnic, Dental, Nursing and Pharmacy courses which may offer them better future.

Difficulties/Challenges and Lessons learnt

Entire South Bastar region is a Highly Left Wing Extremist affected, Tribal populated and under developed area. Complicated Geographical Conditions, lack of approachability added to the LWE problem had kept this region under developed in Education. IQ levels and general awareness of the children of this region is very low. The two major difficulties faced during implementation include expecting the children of this region to take up professional courses competing with the children of normal areas of the state. Secondly, the educational and social conditions cannot be improved overnight in the remote and unapproachable areas of the region.

Current Status

active

RESOURCE REQUIREMENTS

Physical Infrastructure

Three Separate Campuses with all the state of the art facilities are being run, two for girls and one for boys

Human Resource

Children studying in these residential schools are thus provided two types of education one is the regular academic Schooling and the other is Professional Coaching Classes in extended hours by expert teachers of the caliber of Vision Kota Institute Rajasthan. Good Science Teachers have been earmarked from different Government schools and have been specially deployed regular classes in these campuses.

Technology/ IT

N/A

Approximate Cost of Implementation

Funding to the project is being done through convergence of different Govt. Schemes such as IAP, BRGF and CSR of NMDC/ESSAR etc.

Performance Indicators

- Free Residential Education and Free professional coaching, • Regular Classes through the selected best available Government Teachers of the District. • Coaching from Highly Professional teachers of Kota Rajasthan for PET & PMT. • Free Text Books, Coaching Material and free access to informative books. • Daily practice of Yoga and Meditation for physical fitness. • Nutritious diet and Regular Medical Checkups. • Motivation and guidance to take up other professional course also such as Nursing, Pharmacy, Dental and Polytechnic etc.

Project Champion(s)

Nil

Project Contact Persons(s)

Collector, District Dakshin Bastar, Dantewada (CG), Pin 494449 Email: collector.southbastar@gmail.com Phone :

07856-252455 District Informatics Officer, NIC District Centre, C/O Collectorate, Dantewada (C.G.) - Pin 494449

Other Information (Awards/ Nominations etc.)

Nil

Reasons why it should be Replicated?

It improved the understanding of science even among average students.

Source/Reference Links

<http://dantewada.nic.in/default.htm>